समुदाय-नेतृत्व जल प्रबंधन

भाग 2 - जल प्रबंधन में भागीदारी

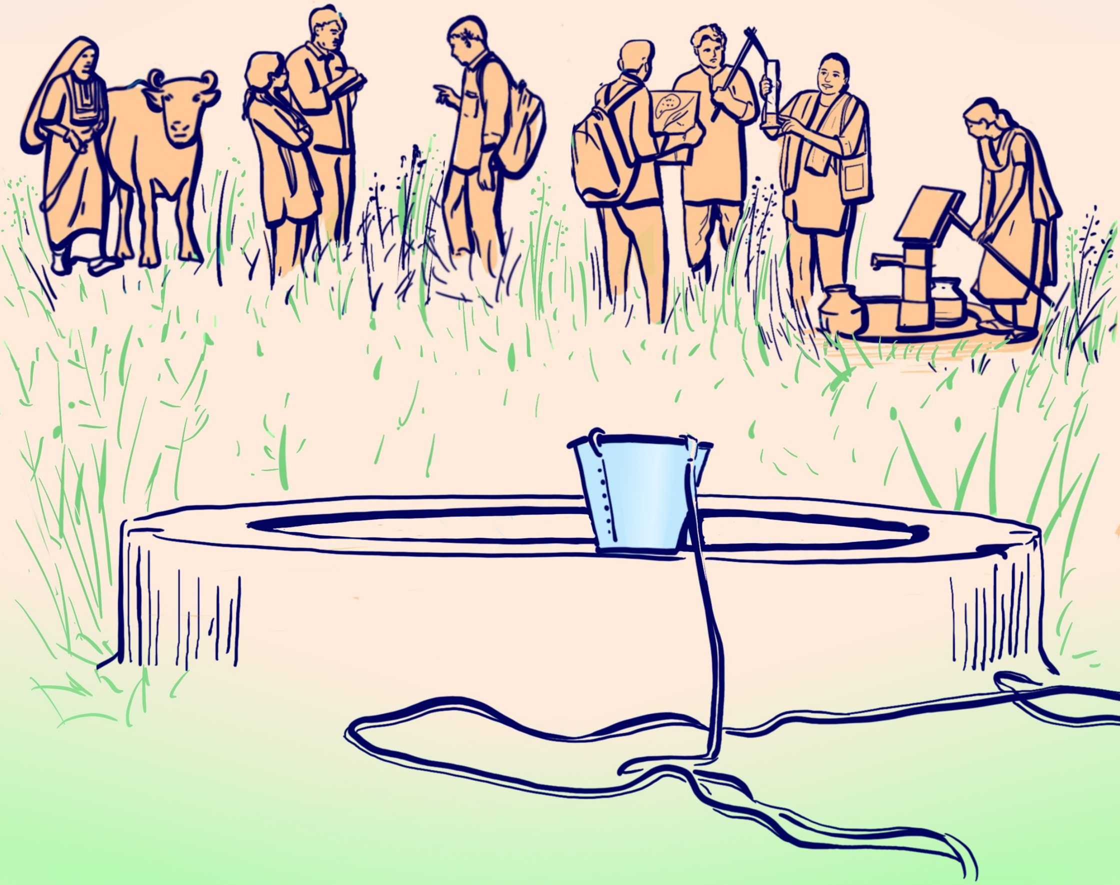

प्लेबुक किस आवश्यकता की बात करती है?

देश का बड़ा हिस्सा गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है, जिसका मुख्य कारण भूजल और सतही जल संसाधनों का अत्यधिक दोहन है। पानी की कम उपलब्धता से जल संसाधनों का असमान वितरण, शुष्क महीनों के दौरान फसल की कम पैदावार और मिट्टी की लवणता और शुष्कता की समस्याएँ होती हैं। इस मुद्दे के समाधान के लिए सामुदायिक भागीदारी और व्यवहार परिवर्तन की आवश्यकता है।

कृषि जल उपयोग के लिए टॉप-डाउन योजनाएं डिजाइन करने के बजाय, **डी.एस.सी** जल संसाधनों की सामुदायिक योजना पर जोर देता है. क्षेत्र मूल्यांकन का डिज़ाइन, सामुदायिक गतिशीलता, ग्राम-स्तरीय जल बजट, जल पुनर्भरण संरचनाएं, निगरानी और जल सुरक्षा योजना के लिए भागीदारी दृष्टिकोण इसका सबसे अच्छा उदाहरण है।

इस प्लेबुक का उपयोग कौन कर सकता है?

व्यवसायी, प्रशिक्षक, सामुदायिक संसाधन व्यक्ति, प्रगतिशील किसान, विषय विशेषज्ञ, स्थानीय शासन प्रतिनिधि।

यह प्लेबुक डेवलपमेंट सपोर्ट सेंटर (डी.एस.सी) की विशेषज्ञता का उपयोग करके डिज़ाइन की गई है, जो गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र में भागीदारी जल प्रबंधन और पानी के विवेकपूर्ण उपयोग पर काम करता है।

dsc
Development
Support
Centre

डी.एस.सी द्वारा इन समाधानों को संस्थापक अध्यक्ष - अनिल शाह, कार्यकारी निदेशक - मोहन शर्मा और पूर्व कार्यकारी - निदेशक सचिन ओझा के नेतृत्व में डिजाइन और अग्रणी बनाया गया है.। डी.एस.सी के 30 वर्षों के गठन में इन सहभागी तकनीकी और सामाजिक प्रक्रियाओं ने समुदाय को सशक्त बनाया है.। इससे समुदाय द्वारा समर्थित और पोषित जल सुरक्षा को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण का विकास हुआ है।

इस पुस्तक में आप सीखेंगे

- अपने गांव की पानी की जरूरतों और संसाधनों को समझना
- जल प्रबंधन में शामिल होना
- जल बजट तैयार करना
- जल सुरक्षा के लिए योजना करना
- रिचार्ज शाफ्ट बनाकर भूजल की पूर्ति करना
- जल संसाधनों की निगरानी करना
- सिंचाई का सहयोगपूर्वक प्रबंधन करना

* यह प्लेबुक समुदाय-नेतृत्व वाले जल प्रबंधन पर **7-भाग** वाली प्लेबुक श्रृंखला का **भाग 2** है। पूरा सेट यहाँ पाएँ: लिंक

यदि हम अपने जल का उचित प्रबंधन करें तो हम अनियमित जल आपूर्ति और गुणवत्ता की इन समस्याओं का समाधान कर सकते हैं।

2.

जल प्रबंधन में भागीदारी

गाँव के लोग अपनी जल स्थिति का प्रबंधन करने में सर्वोत्तम हैं. इस प्रक्रिया में भाग लेने के लिए आप विभिन्न भूमिकाएँ निभा सकते हैं

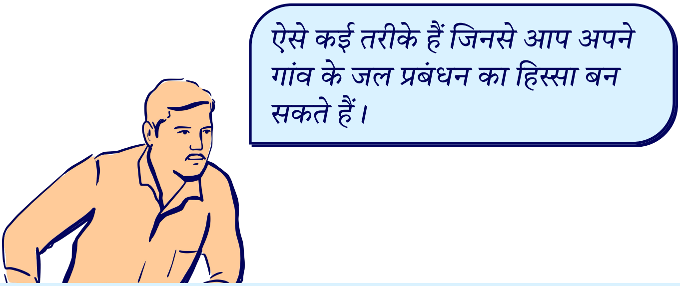

1. **ग्राम जल समिति से जुड़ें**

   ऐसे लोगों की एक समिति जो गाँव में पानी के मुद्दों को सुलझाने में सक्रिय रूप से शामिल रेहती है।

2. **जल साथी बनें**

   जल साथी स्थानीय समुदाय से प्रशिक्षित पैरा प्रोफेशनल्स (जिन्हें प्रोफेशनल्स की तरह प्रशिक्षित किया जाता है, लेकिन लाइसेंस प्राप्त नहीं होता) होते हैं।

3. **आप स्वयंसेवक बन सकते हैं**

   कार्यकर्ता जागरूकता का समर्थन करेंगे, जल समस्याओं की निगरानी करेंगे और उन्हें हल करने के लिए नई-नई योजनाएँ लेकर आएंगे।

ग्राम समिति

समिति का चयन

- समिति का आकार 9 से 13 सदस्यों के बीच हो सकता है
- समिति में महिलाओं का समान प्रतिनिधित्व होना चाहिए
- गाँव के सभी प्रमुख समुदायों के प्रतिनिधि
- प्रत्यक्ष राजनीतिक संबद्धता वाले किसी भी व्यक्ति को नहीं लिया जाना चाहिए
- सी.बी.ओ प्रतिनिधित्व जैसे एस.एच.जी सदस्य, पंचायत प्रतिनिधि आदि
- गाँव के सभी बस्तियों/क्षेत्रों से प्रतिनिधित्व

क्या आप अपने गाँव के पानी के मुद्दों पर निगरानी रखने के लिए उत्साहित हैं?

क्या आप गांव से भली-भांति परिचित हैं?

क्या आप पढ़ने-लिखने में अच्छे हैं?

क्या आपकी शिक्षा 10वीं या 12वीं कक्षा तक है?

क्या आपकी उम्र 40 साल से कम है?

आज ही जल साथी बनने के लिए आवेदन करें और अपने गांव के जल प्रबंधन को दिशा दें

सभी लिंगों को आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है!

जल साथी

आपको क्या मिलेगा?

- जल साथी बनने के लिए 6 महीने की ट्रेनिंग
- क्षमता निर्माण, कौशल वृद्धि, सामाजिक दायरे में पहचान और नेटवर्किंग जो करियर के विकास में मदद करती है
- आपके समय और प्रयासों की भरपाई के लिए प्रतिदिन का मानदेय
- सरकारी विभागों और अन्य हितधारकों के साथ काम करने का अनुभव

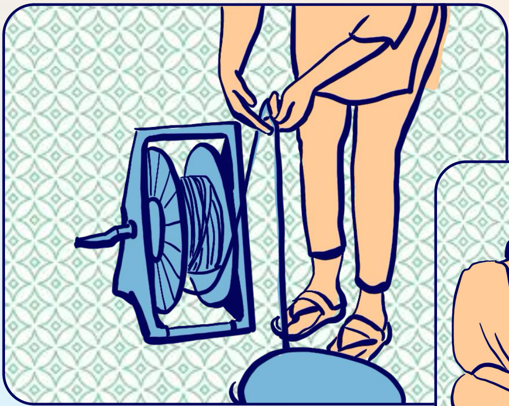

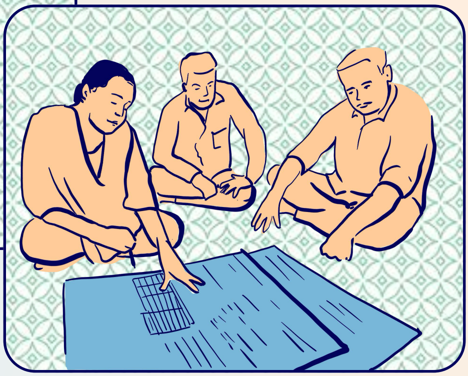

आप क्या करेंगे?

- किसी गाँव में जल स्रोतों और खपत का डेटा इकट्ठा करना और उसका रखरखाव करना
- जियो-टैगिंग
- भूजल के अत्यधिक दोहन, प्रदूषण के मुद्दों पर निगरानी रखना
- कृषि और पीने के पानी पर लवणता, कठोरता, क्षारीयता, अम्लता के प्रभाव की निगरानी करना
- ग्राम समिति को निष्कर्ष प्रस्तुत करना
- अन्य अभिसरण गतिविधियों में संगठन की सहायता करना

स्वयंसेवक

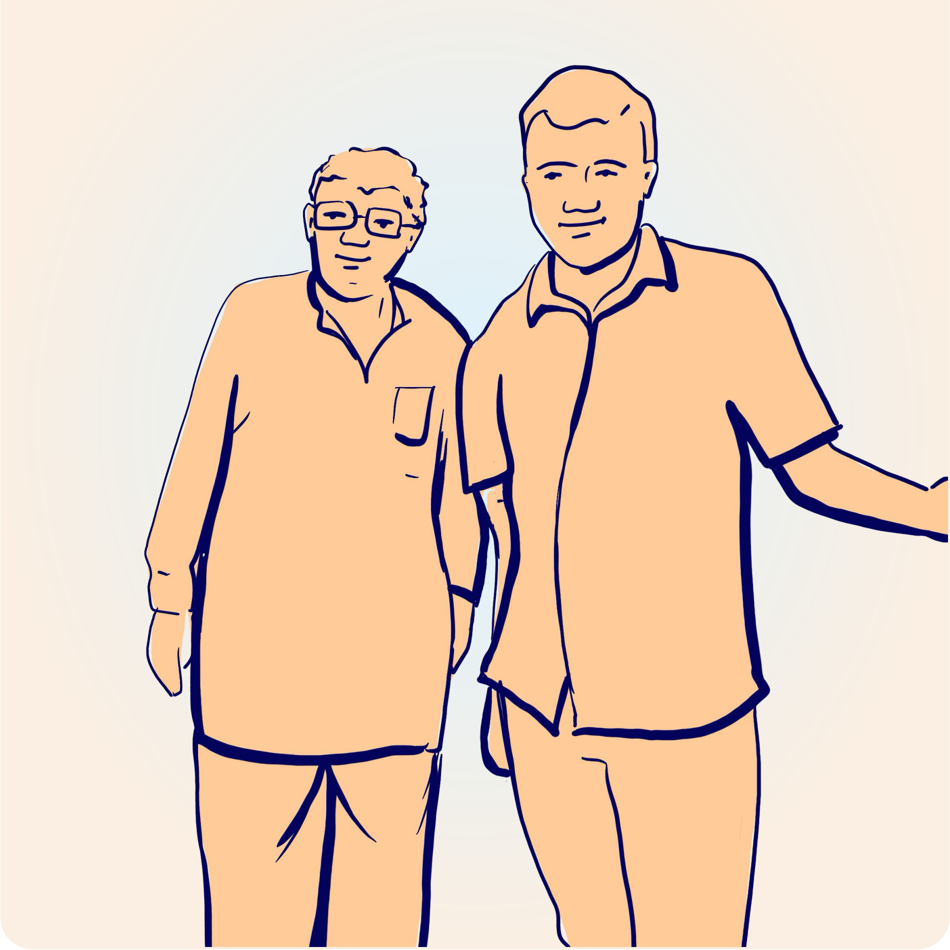

क्या आपके पास अपने गांव में पानी की समस्या को हल करने के बारे में कोई विचार है?

समाधानों की निगरानी करना चाहते हैं?

ग्राम समिति के साथ **स्वयंसेवक बनें** और गांव को हमारे जल लक्ष्य प्राप्त करने में मदद करें!

संसाधन व्यक्ति

गोरधन कंटारिया,
राज्य स्तरीय प्रशिक्षण समन्वयक (गुजरात),
मो. 9601281137

मनु वड्डेर,
राज्य समन्वयक (गुजरात), क्षेत्रीय इंटीग्रेटर,
मो. 8200147596

सामाजिक प्रक्रियाओं के विशेषज्ञ

राजेंद्र पटेल, कार्यक्रम कार्यकारी
मनु वड्डेर, क्षेत्रीय एकीकरणकर्ता
गोरधन कांतारिया, राज्य प्रशिक्षण समन्वयक

AXIS BANK FOUNDATION

WELL LABS
WATER · ENVIRONMENT · LAND · LIVELIHOODS

dsc
Development Support Centre